खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य मशरूम की खेती पर वन विज्ञान केंद्र (वीवीके), मिजोरम के अंतर्गत प्रशिक्षण

आयोजन का नाम	खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य मशरूम की खेती पर वन विज्ञान केंद्र (वीवीके), मिजोरम के अंतर्गत प्रशिक्षण
तिथि	11/03/25 से 12/03/25
अवधि	02 दिन
कार्यक्रम का स्थान	आईसीएफआरई-बीआरसी, बेथलहम वेंगथलांग, आइजोल, मिजोरम
उद्देश्य	खाद्य सुरक्षा के लिए मशरूम की खेती पर स्थानीय परिषद के निवासियों का प्रशिक्षण
प्रतिभागियों की संख्या	20
भाग लेने वाली संस्था	स्थानीय परिषद, बेथलहम वेंगथलांग, आइजोल, मिजोरम
आयोजन करने वाली संस्था	आईसीएफआरई-बीआरसी, बेथलहम वेंगथलांग, आइजोल, मिजोरम
अनुदान देने वाली संस्था	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून (कैम्पा विस्तार के अंतर्गत)

प्रशिक्षण का विवरण:

मिजोरम के आइजोल के बेथलेहम वेंगथलैंग में आईसीएफआरई-बांस और रतन केंद्र (आईसीएफआरई-बीआरसी) ने 11 से 12 मार्च 2025 तक वन विज्ञान केंद्र, मिजोरम के तहत मशरूम की खेती पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। प्रतिभागियों में बेथलेहम वेंगथलैंग, आइजोल के स्थानीय परिषद निवासी शामिल थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मिजोरम सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव पी रामदिनलियानी, आईएएस ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बेथलेहम वेन्घथलांग में स्थानीय परिषद के अध्यक्ष पु चावंगखावलियाना सम्मानित अतिथि थे। उद्घाटन सत्र की शुरुआत श्री संदीप यादव, वैज्ञानिक-डी और आईसीएफआरई-बीआरसी के प्रमुख के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद अतिथियों का अभिनंदन किया गया। स्वागत भाषण के बाद परिचय का दौर चला। श्री संदीप यादव ने आईसीएफआरई-बीआरसी की शोध और विस्तार गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

असम के जोरहाट में वर्षा वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने खाद्य सुरक्षा प्राप्त

करने के लिए मशरूम की खेती के महत्व पर जोर दिया और कहा कि पूर्वोत्तर भारत इस उद्देश्य के लिए अनुकूल है। उन्होंने कामना की कि प्रतिभागियों को आत्मनिर्भरता और आय सृजन की दिशा में प्रशिक्षण से लाभ मिले।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि ने आजीविका के अवसर पैदा करने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए व्यक्तियों को सशक्त बनाने में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के इन महत्वपूर्ण समयों के दौरान खाद्य और पोषण सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि मशरूम की खेती कई संभावित समाधानों में से एक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ई-कॉमर्स और ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफ़ॉर्म के साथ-साथ कटाई के बाद के प्रबंधन की प्रासंगिकता को रेखांकित किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशिक्षु अपने प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ उठा सकें।

सम्मानित अतिथि ने प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया और प्रतिभागियों को पूर्ण समर्पण के साथ प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। आईसीएफआरई-बीआरसी आइजोल की वैज्ञानिक-बी सुभप्रदा बेहरा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रशिक्षण चाय के बाद शुरू हुआ, जिसका मार्गदर्शन मास्टर ट्रेनर डॉ. अल्बाना एल. चावंगथु ने किया। यह दो दिनों तक जारी रहा, जिसके दौरान प्रशिक्षुओं को मिजोरम में पाए जाने वाले विभिन्न खाद्य और जहरीले मशरूम प्रजातियों के साथ-साथ विभिन्न मशरूम प्रजातियों की खेती की तकनीकों पर पावरपॉइंट प्रस्तुतियां मिलीं। प्रशिक्षुओं ने ग्रे ऑयस्टर मशरूम (प्लुरोटस साजोर-काजू) की खेती के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण में भी भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 मार्च की दोपहर को प्रतिभागियों से चर्चा और फीडबैक के साथ संपन्न हुआ, जिसके बाद समापन सत्र और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

Training on Edible Mushroom Cultivation for ensuring Food Security
under
Van Vigyan Kendra (VVK), Mizoram

Name of Event	Training on Edible Mushroom Cultivation for ensuring Food Security
Date (s)	11/03/25 to 12/03/25
Duration	2 days
Venue	ICFRE-BRC, Bethlehem Vengthlang, Aizawl, Mizoram
Purpose/Agenda	Training of local council residents on Mushroom Cultivation for Food Security
No. of Participants	20
Participating Agency (s)	Local Council, Bethlehem Vengthlang, Aizawl, Mizoram
Organizing Agency (s)	ICFRE-BRC, Aizawl
Funding Agency (s)	Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun (under CAMPA Extension)

Details of the Event:

The ICFRE-Bamboo and Rattan Centre (ICFRE-BRC) in Bethlehem Vengthlang, Aizawl, Mizoram, organised a two-day training session on mushroom cultivation under the Van Vigyan Kendra, Mizoram, from 11 to 12 March 2025. The participants were local council residents of Bethlehem Vengthlang, Aizawl.

Pi Ramdinliani, IAS, Secretary of the Department of Agriculture and Farmers' Welfare, Government of Mizoram, graced the inaugural session of the training programme as the Chief Guest. The guest of honour was Pu Chawngkhawliana, Chairman of the Local Council in Bethlehem Venghthlang. The inaugural session commenced with a welcome address by Shri Sandeep Yadav, Scientist-D and Head of ICFRE-BRC, followed by the felicitation of the guests. A round of introduction followed the welcome address. A brief presentation on the research and extension activities of ICFRE-BRC was delivered by Shri Sandeep Yadav. **Dr Nitin Kulkarni**, Director of the Rain Forest Research Institute in Jorhat, Assam, emphasised the importance of mushroom cultivation for achieving food security, noting that

Northeast India is favourable for this purpose. He wished that the participants benefit from the training towards self-sustainability and income generation.

In her inaugural speech, the Chief Guest emphasised the importance of training programmes in empowering individuals to create livelihood opportunities and achieve self-sustainability. She highlighted the significance of food and nutrition security during these critical times of climate change, noting that mushroom cultivation can be one of many potential solutions. Additionally, she underscored the relevance of e-commerce and online marketing platforms, as well as post-harvest management, to ensure that trainees can benefit maximally from their training.

The Guest of Honour expressed gratitude to the Centre for organising the training and encouraged the participants to engage in the training with complete dedication. Subhaprada Behera, Scientist-B ICFRE-BRC Aizawl, delivered the vote of thanks.

The training commenced after tea, guided by Dr. Albana L. Chawngthu, a master trainer. It continued for two days, during which the trainees received PowerPoint presentations on various edible and poisonous mushroom species found in Mizoram, along with cultivation techniques for different mushroom species. The trainees also participated in hands-on training for cultivating grey oyster mushrooms (Pleurotus sajor-caju). The training programme concluded in the afternoon of 12th March with discussions and feedback from the participants, followed by a valedictory session and the distribution of certificates.

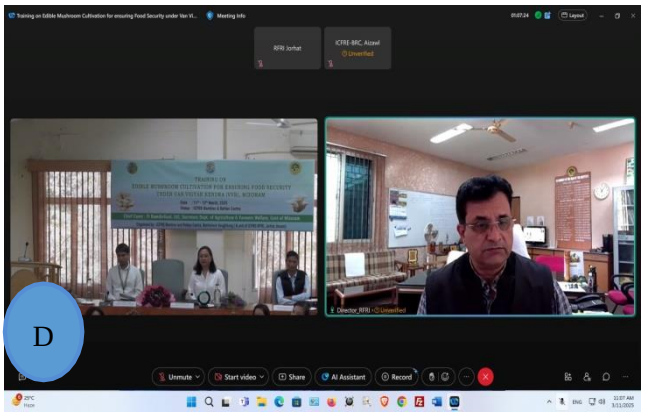

Figure 1: A- B: Welcoming &Felicitation of the Guests; C & D: Address by the Director; E&F: Address by the Guests; G: Vote of thanks; H: Group photo.

Figure 2: A-H: Glimpses of the training.

Figure 3: A-H: Distribution of Certificates

MIZO DAILY VANGLAINI SINCE 1978

Home Editorial Guest Writer

KHAWTHLIR

13th March, 2025

Bill pe ṭha lo

Power & Electricity minister F Rodingliana chuan nimin khan Assembly session-ah BJP member Dr K Beichhua zawhna chhangin, sorkar department zingah PHE, LAD leh AH&Vety department-te'n kawlphetha hman man (power bill) an pek ṭhat loh thu House a hrilh.

Dîl ṭanpuina sem

Champhai District Fisheries Development Office chuan nimin khan Champhai Kahrawt community hall-ah Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana (PMMSY) 2022-23 hnuaia sangha dil thar siamna atan mi 80 hnenah ṭanpuina Rs 45,360 ṭheuh an pe. Ṭanpuina pek hi a vaiin Rs 36,28,800 a ni a; Financial Literacy Campaign bakah, sangha dil siam dan te, tuikhuah enkawl dan leh common carp breeding chungchangte inzirtir a ni bawk.

Pa khawi inzirtir

ICFRE - Bamboo and Rattan Centre (ICFRE-BRC), Bethlehem Vengthlang buatsaih 'Training on Edible Mushroom Cultivation for ensuring Food Security' chu nimin khan khar a ni a; Agriculture & Farmers Welfare secretary Ramdinliani'n a hmanpui. Training hi ni hnih awh niin, Bethlehem Vengthlang mi 20 an tel a, master trainer Albana L Chawngthu-in pa chìn, khawi leh enkawl dan a zirtir a ni.

Naupang 110 thlang

Kum 2024-25 chhunga Mission Vatsalya (Child Protection Service) ṭanpuina (sponsorship) dawng tura naupang thlante nu leh pate tan nimin khan DC conference hall-ah thil pawimawh inhrilhfiahna hun hman a ni. Serchhip district-ah hian ṭanpuina dawng turin naupang 110 thlan an ni a, thla tin Rs 4,000 pek an ni dawn.

Khawl siam intihsiak

Nimin khan Siaha DC mini conference hall-ah Bána Kaih hnuaia Chief Minister's Inventors Challenge-ah mimal hmasawnna tur leh khawtlang tana ro tling tur Hardware Innovation (khawl lam thil siam chhuahna) project siamah inelna buatsaih a ni. Table saw siamtu C Lalrinpuia, Vaihpi-III pakhatna niin, lawmman Rs 25,000 a dawng a, state level intihsiaknaah Siaha district aiawhin a tel ang.